अपना गाँव और हाथीपाँव ? कभी नहीं !

सर्वप्रथम, MDA कार्यक्रम के दौरान फाइलेरिया रोधी दवाई खा कर...
दूसरा, अपने आपको मच्छर के काटने से बचा कर...
...और तीसरा सबसे जरूरी, अपने घर के आसपास साफ-सफाई रखकर ताकि मच्छर न पनपे*।
[नोट:- *मच्छर अक्सर रुके हुए पानी में पनपते हैं।]
तुम्हारा मतलब अगर हम भी MDA कार्यक्रम में फाइलेरिया रोधी दवाई खायेंगे तो हमें ये रोग नहीं होगा?
बिल्कुल, अगर हमलोग MDA के दौरान ये दवाई लगातार 5 वर्षो तक खा लें तो ये हमें कभी नहीं होगा।
[नोट:- दो वर्ष से कम उम्र के बच्चे, गर्भवती महिलायें, और गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति को फाइलेरिया रोधी दवाई नहीं खानी चाहिए]
पर बेटा, मुझे इस MDA कार्यक्रम से क्या फायदा, मुझे तो पहले से ये रोग हो रखा है।
दादाजी, ये दवाई आप भी खा सकते हैं, इससे आपको बीमारी से लड़ने में सहायता मिलेगी।
साथ ही आपको अपने पैर की देखभाल करने के लिए एक स्पेशल MMDP किट भी दी जाएगी।
ये तो सही है बॉस, हम सभी लोग ये दवाई जरूर खायेंगे
और दादाजी को MMDP किट भी दिलवाएंगे
कब होता है यह MDA का कार्यक्रम?
10 फरवरी, मुझे याद है, पिछले साल भी इसी दिन हुआ था।
जी हाँ, 10 फरवरी यानी आज से अगले दो हफ्ते तक, सरकार द्वारा MDA कार्यक्रम चलायी जायेगी जिसमें सभी को फाइलेरिया रोधी दवाई मुफ़्त में खिलाई जाएगी।
ये दवाई आशा दीदी आपके घर तक लेकर आयेंगी, परन्तु आप बिना देरी किये स्वतः MDA कैम्प में जायें और कार्यकर्ताओं के देखरेख में उनके सामने ही ये दवाई खायें।
10 फरवरी को फाइलेरिया रोधी दवाई खायेंगे जरूर, हाथीपाँव के रोग को भगायेंगे कोसों दूर